औषधि अनुसंधान बहु विषयक कार्य क्षेत्र

लखनऊ (एसएनबी)। भारत के प्रमुख दवा अनुसंधान संस्थान केन्द्रीय औषधीय अनुसंधान संस्थान (सीडीआरआई), लखनऊ ने सोमवार को दो अलग-अलग 'समझौता ज्ञापन' (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें से एक नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, रायबरेली (एनआईपीईआर-आर), जो कि

■CDRI ने दो अलग-अलग एमओयू कर किये हस्ताक्षर

फार्मास्यूटिकल साइंस में उच्च शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान है एवं दूसरा संस्थान, सेंटर ऑफ बायो-मेडिकल रिसर्च, लखनऊ (सीबीएमआर) जो कि उत्तर प्रदेश सरकार का एक अग्रणी संस्थान है जो रोग-उन्मुख-अनुसंधान के लिए नए निदान एवं उपचारों को खोजने की दिशा में समर्पित है।

इस अवसर पर सीडीआरआई की निदेशक डा. राधा रंगराजन ने कहा कि औषधि अनुसंधान एक बहु-विषयक कार्य-क्षेत्र है। इसके सभी घटकों एवं सभी हितधारकों के बीच तालमेल लाने के लिए सहयोग विकसित करने की तत्काल आवश्यकता है। शिक्षा, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं विकास एवं उद्योग के बीच तालमेल के ऐसे वातावरण को विकसित करने के लिए प्रशिक्षण एवं परस्पर सहयोग के माध्यम से फार्मेसी, जैव प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी को मजबूत कर हम वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए खुद को तैयार कर सकते हैं। एनआईपीईआर रायबरेली की निदेशक प्रो. शुभिनी ए. सराफ ने इस शोध सहयोग के बारे में अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि सीडीआरआई की ड्रग डिस्कवरी और डेवलपमेंट के क्षेत्र में विशेषज्ञतायें एवं अत्याधुनिक सुविधाएं व एनआईपीईआर रायबरेली की विशेषज्ञतायें, साथ मिल कर निश्चित रूप से इस क्षेत्र की अपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक सिद्ध होंगी।

सीबीएमआर के निदेशक प्रो. आलोक धवन ने बताया कि सीबीएमआर रोग-उन्मुख-अनुसंधान के लिए समर्पित है और संस्थान के पास क्लीनिकल सैंपल्स (नैदानिक नमूनों) का विशाल रियल-टाइम डेटा है। दोनों संस्थानों की विशेषज्ञताओं एवं कम्प्यूटेशनल बायोलॉजिकल अप्रोच की मदद से हम ड्रग रिसर्च और डायग्नोस्टिक्स के लिए बेहतर समाधान ला सकते हैं।

MoU with CSIR- CDRI, Lucknow

February 20, 2023